

# गणतन्त्र दिवस



26 जनवरी गणतंत्र दिवस पुरे देश का राष्ट्रीय त्योहार है जो पुरे भारत में मनाया जाता है । 26 जनवरी को पुरे भारत में झंडा फहराया जाता है और मुख्य रूप से लाल किल्ला पर फहराया जाता है 15 अगस्त की तरह ही 26 जनवरी को मनाया जाता है । 15 अगस्त को भारत आजाद हुआ था जबकि 26 जनवरी को भारत में संविधान लागू हुआ था ।

इसलिये 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है । 26 जनवरी 1950 को भारत में संविधान लागू हुआ था ।

सन् 1935 में सरकारा अधिनियम को लागू हुआ था इस अधिनियम को ही हटाकर 1950 में संविधान को लागू किया गया था ।

एक स्वतंत्र गणतंत्र बनाने के लिये और देश में एक सफल कानून लाने के लिये 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान सभा अपनाया गया लेकिन लागू नहीं हो पाया था फिर 26 जनवरी को संविधान लागू करने के लिये चुना गया क्योंकि इसी 26 जनवरी 1930 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को संपूर्ण रूप से स्वराज घोषित कर दिया था ।

इसलिये संविधान लागू करने के लिये 26 जनवरी को चुना गया ।

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दिन पुरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फहराया जाता है । इसके बाद राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान को गाया जाता है फिर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को सलामी दिया जाता है ।

इसके बाद स्कूलों में, कॉलेजों में प्रोग्राम होता है बहुत सारे स्पर्धा किया जाता है ।

गणतंत्र दिवस के दिन पुरे भारत के साथ साथ लाल किल्ले पर देश के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को लाल किल्ले पर फहराते हैं । है राष्ट्रीय गान गाया जाता है ।

26 जनवरी से पहले 15 अगस्त 1947 जब भारत आजाद हुआ था । उस वक्त पुरे भारत मे कोई नियम नही था मतलब पुरा भारत बिना नियम के चल रहा था ।

तभी डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद जो भारत के प्रथम राष्ट्रीयपति थे जिन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा सविधान को बनवाया था पुरे भारत के सविधान को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अकेले ही बनाया था

जिसे बनाने मे करीबन 3 वर्ष ( 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन ) लग गये थे जिसे भारत का सविधान माना गया ।

भारत तो सन् 1947 मे ही आजाद हुआ था लेकिन उस वक्त सम्पुण रूप से आजादी नही मिली थी और किसी प्रकार का कानून नही बना था इसलिये पुरा भारत कानून और नियम रहीत था ।

उसके बाद सन् 26 नवंबर 1949 को सविधान को लागू करने के बारे विचार किया गया और सविधान को लागू करने के लिये 26 जनवरी को चुना गया ।

26 जनवरी को सविधान को भारत का सविधान के रूप मे घोषित किया गया और इसे गणतंत्र दिवस के रूप मे भी घोषित किया गया । भारत मे सविधान लागू होने के बाद से भारत का विकास भी होना चालु हुआ ।

भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप मे डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को घोषित किया गया ।

1948 मे महात्मा गांधी जी की मृत्यु हो गयी थी लेकिन उनके बहुत बड़े योगदान के कारण महात्मा गाँधी जी को और भारत के राष्ट्रपिता के रूप मे सम्मानित किया गया ।

इस प्रकार ही गणतंत्र दिवस को भी स्वतंत्र दिवस की तरह मनाया जाता है ।

## Republic Day Speech in English

**26 January Republic Day**



26 January Republic Day is the national festival of the entire country which is celebrated all over India. On 26 January, the flag is hoisted all over India and mainly on the Red Fort.

Like 15 August, 26 January is celebrated. India became independent on 15 August while the Constitution came into force on 26 January in India.

Therefore 26 January is celebrated as Republic Day. The constitution came into force on 26 January 1950 in India.

The Government Act was enacted in 1935, the Act was removed and the Constitution was implemented in 1950.

The Indian Constituent Assembly was adopted on 26 November 1949 to create an independent republic and to bring a successful law in the country but was not implemented, then on 26 January 1930, the Indian National Congress was elected to implement the constitution. Had declared India as Swaraj as a whole.

Therefore, 26 January was elected to implement the constitution.

26 January is celebrated as Republic Day. On this day, the national flag tricolor is hoisted all over India. After this, the national anthem and national anthem are sung and then the national flag tricolor is saluted.

After this, there is a lot of competition in schools and colleges.

On the day of Republic Day, the Prime Minister of the country, Shri Narendra Modi, hoists the National Flag Tricolor on the Red Fort along with India. The national anthem is sung.

Before 26 January 15 August 1947 when India became independent. At that time there was no rule in entire India, meaning that all India was running without rules.

Then Dr. Rajendra Prasad who was the first president of India who built the constitution by Dr. Bhimrao Ambedkar made the constitution of entire India by Dr. Bhimrao Ambedkar alone.

Which took almost 3 years (2 years 11 months 18 days) to make, which was considered as the constitution of India.

India was liberated only in 1947, but at that time there was no complete independence and no law was made, so the whole of India was a law and rule.

After that, the idea of implementing the constitution was considered on 26 November 1949 and on 26 January was chosen to implement the constitution.

On 26th January, the Constitution was declared as the Constitution of India and it was also declared as Republic Day.

After the constitution was implemented in India, the development of India also started.

Dr. Rajendra Prasad was announced as the first President of India.

Mahatma Gandhiji died in 1948, but due to his great contribution, Mahatma Gandhi was honored as the Father of India.

In this way, Republic Day is also celebrated as Independence Day.